मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 245, मुंबई, गुरुवार, 18 नवंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

एमडी ड्रग्स बनाने वाली कंपनी का पर्दाफाश

कोल्हापुर में चल रही ड्रग्स की फैक्ट्री

मुंबई। एंटी नारकोटिक्स सेल की बांद्रा यूनिट ने महिला ड्रग्स पेडलर को गिरफ्तार किया था। जिसके पास से 50 ग्राम एमडी मिला था। उससे पूछताछ में खुलासा हुआ कि कोल्हापुर के एक फार्महाउस पर एमडी ड्रग्स बनाया जाता है। जिसके बाद आजाद मैदान, घाटकोपर और बांद्रा यूनिट ने रेड की तो उस फार्म हाउस में एमडी ड्रग्स 38 किलो 700 ग्राम मैटेरियल सीज किया है। जो 2 करोड़ 25 लाख रुपए का माल है। इस मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि लोगों की तलाश जारी है।

कंगना के विवादित बयान पर एनसीपी महिला विंग का विरोध प्रदर्शन

मुंबई। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत अपने विवादित बयान की वजह से एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। महात्मा गांधी को लेकर दिए अपने विवादित बयान के बाद पूरे देश में उनका विरोध किया जा रहा है। महाराष्ट्र में एनसीपी की महिला विंग ने भी उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और उनके फोटो की चप्पलों से पिटाई की।

राष्ट्रपति भवन पर आतंकी हमला समझकर हरकत में आए कमांडो...

सुरक्षा घेरा तोड़कर घुसी कार

नई दिल्ली। देश में सबसे सुरक्षित माने जाने वाले राष्ट्रपति भवन की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा बलों के उस वक्त हाथ-पांव फूल गए, जब एक तेज रफ्तार कार सुरक्षा घेरे को तोड़ती हुई अंदर दाखिल हो गई। हाई सिक्योरिटी जोन में सुरक्षा चूक का यह बड़ा मामला सोमवार रात का है। सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, सोमवार रात एक आई 20 कार गेट नंबर-35 में सिक्योरिटी स्टॉप चेकिंग को तोड़ते हुए अंदर जा घुसी। सुरक्षा बल तुरंत अपनी-अपनी पोजिशन में आ गए। वायरलेस पर मेसेज फ्लैश होते ही दिल्ली पुलिस समेत तमाम सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सूत्रों की मानें तो सभी को 2001 में संसद भवन पर हुए आतंकी हमले जैसी घटना का अंदेशा लगने लगा। दिल्ली पुलिस के कमांडो ने कार का फुर्ती से पीछा किया। कार गेट नंबर-17 से एग्जिट होने के लिए जैसे ही मुड़ी, तभी उसे घेर लिया गया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह भगोड़ा घोषित

कोर्ट ने वसूली मामले में दिया आदेश

मुंबई। मुंबई की एक मजिस्ट्रेटी अदालत ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह को उनके और अन्य पुलिस अधिकारियों के खिलाफ दर्ज वसूली के एक मामले में बुधवार को 'भगोड़ा' घोषित किया। मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने यह कहते हुए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी सिंह को 'भगोड़ा' घोषित किए जाने को कहा था कि उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी होने के बाद भी उनका पता नहीं लगाया जा सका है। गोरेगांव थाने में दर्ज मामले में पूर्व सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वझे भी आरोपी है। परमबीर सिंह के अलावा सह आरोपी विनय सिंह और रियाज भट्टी को भी अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एस बी भाजीपले ने 'भगोड़ा' किया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

संपत्ति भी हो सकती है जब्त?

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 82 के तहत अदालत द्वारा उद्घोषणा प्रकाशित किए जाने पर आरोपी को हाजिर होने की आवश्यकता होती है अगर उसके खिलाफ जारी वारंट की तामील नहीं हो पाई है। धारा 83 के तहत उद्घोषणा प्रकाशित किए जाने के बाद अदालत एक आरोपी की संपत्ति जब्त करने का आदेश दे सकता है।

सोनिया दरबार में पहुंचा मुंबई कांग्रेस का झगड़ा

मुंबई। मुंबई कांग्रेस में फूट पड़ती हुई दिखाई दे रही है। मुंबई यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष और विधायक जीशान सिद्दीकी ने कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी को एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप की शिकायत की है। जीशान सिद्दीकी ने हमारा महानगर से बात कर इस पत्र की पुष्टि की है । सिद्दीकी ने कहा कि हम यह धगड़ा कांग्रेस के अन्दर ही निपटा लेंगे। रविवार को बढ़ती हुई महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ आक्रोश मोर्चा निकाला था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सड़क क्रांति का अहम पड़ाव

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का निर्माण देश में सड़क क्रांति के लिहाज से एक अहम पड़ाव है। वायु सेना के सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान का इस पर उतरना इसकी तस्दीक करता है। ऐसे में, यह मुनासिब था कि लगभग 340 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण से जुड़े सभी पक्षों का देश धन्यवाद करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भावना को अभिव्यिक्ति दी कि जिन किसानों की भूमि इसमें लगी है, जिन मजदूरों और इंजीनियरों के अमूल्य श्रम से यह मार्ग साकार हुआ है, वे सभी अभिनंदन के पात्र हैं। जाहिर है, तरक्की की हर मंजिल साझा कदमों से ही तय होती है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का बनना इस अपेक्षाकृत पिछड़े इलाके के लोगों के लिए एक बडे.सपने के सच होने जैसा है। इससे उनके आवागमन की मुश्किलें तो कम होंगी ही बाराबंकी, फैजाबाद, अंबेडकरनगर, अमेठी, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर जिलों की औद्योगिक गतिविधियों को भी नई रफ्तार मिलेगी। मानव समाज और नगर सभ्यताओं के विकास को आंकने की जो कसौटियां हैं, उनमें सड़कों का जाल सबसे अहम रहा है। और आज विशाल आबादी की अपेक्षाओं व जरूरतों को पूरा करने की तो यह बुनियादी शर्त है। इस मामले में देश दशकों तक तेज प्रगति नहीं कर पाया, क्योंकि अर्थव्यवस्था की कुछ सीमाएं थीं और अलग-अलग सरकारों की प्राथमिकताएं भी अलग थीं। लेकिन आर्थिक उदारीकरण के बाद अर्थव्यवस्था के विस्तार और इसकी आधारभूत आवश्यकताओं ने सरकारों को इस विषय में अधिक सक्रिय भूमिका अपनाने को बाध्य किया। खासकर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय शुरू स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के तहत देश के चार बडे. महानगरों-दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को सड़क मार्ग से जोड़ने का जो काम शुरू हुआ था, वह 2012 में मनमोहन सिंह सरकार के समय पूरा हुआ। इसी तरह, सन 2000 में शुरू प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से देश के गांवों का कितना विकास हुआ है, यह बताने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। लेकिन यह भी कटु सत्य है कि कई प्रदेश सरकारें ग्रामीण सड़कों के रखरखाव पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही हैं। बहरहाल, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में यमुना एक्सप्रेस-वे, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे और अब पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के निर्माण ने यह आश्वस्ति दी है कि देश में विकास का पहिया थमने वाला नहीं है। साढ़े तीन वर्ष के भीतर लगभग 22,500 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह एक्सप्रेस-वे अन्य राज्य सरकारों के लिए भी एक उदाहरण है कि समयबद्ध निर्माण की क्या अहमियत है। यह एक नई कार्य-संस्कृति है, जो महज शिलान्यासों के आडंबर व अधूरी योजनाओं में सार्वजनिक धन की बरबादी से दूर है। और यह एक राज्य या एक दल की सरकार तक महदूद नहीं, दिल्ली, छत्तीसगढ़ सरकारों ने भी ऐसी मिसालें कायम की हैं। निस्संदेह, इस कार्य-संस्कृति और राजनीतिक चेतना को सहेजने की जरूरत है। बेहतर सड़कों का जाल रेलवे पर दबाव कम करने में कारगर साबित होगा ही और ऊर्जा खपत को कम करने में भी सहायक होगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मुहाने पर है और ऐसे समय में उद्घाटनों-शिलान्यासों की बाढ़ आ जाती है। पर विकास की राजनीति हो, जनता को यही तो चाहिए।

सिविल सोसायटी पर सवाल

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने हाल में राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के आईपीएस प्रशिक्षुओं के सामने बोलते समय नागरिक समाज को लेकर जिस चिंता का इजहार किया है, वह एक खास तरह की मानसिकता की अभिव्यक्ति है। यह मानसिकता मानती है कि देश में एक मुख्य नैरेटिव होता है और उससे भिन्न सोचने वाले देश तोड़ने वाले और कई बार जाने-अनजाने शत्रु के लिए काम करने वाले होते हैं। अजीत डोभाल ने उस नागरिक समाज से नए नवेले पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने की सलाह दी है, जो आम तौर से तथाकथित मुख्यधारा के नैरेटिव से भिन्न खड़े दिखते हैं।

जब सोवियत रूस खंड-खंड होकर टूटा, एक मोटे अनुमान के अनुसार, उसके पास दुनिया के सबसे अधिक परमाणु बम थे। सभी धरे रह गए और उसके गणतंत्र एक-एक कर रूस से अलग होते गए। इसके बाद एक शब्द दुनिया भर के सैन्य इतिहासकारों में बहुत लोकप्रिय हो गया- हाइब्रिड वार या संकर युद्ध। माना गया कि अगर मनोवैज्ञानिक दबावों से किसी राष्ट्र के औचित्य को ही संदिग्ध बना दिया जाए और वहां की जनता का एक बड़ा तबका प्रभावी नैरेटिव को चुनौती देने लगे, तो फिर शक्तिशाली सेना भी उस राष्ट्र राज्य को बचा नहीं सकेगी। यह प्रभावी नैरेटिव आम तौर से बहुसंख्यकवाद की उपज होता है और जो इसे चुनौती दे रहे होते हैं, वे अमूमन अल्पसंख्यक विमर्श की निर्मिति होते हैं। हाइब्रिड वार का हौआ खड़ा करने वाले मानते हैं कि देश के शत्रु खुली लड़ाई लड़ने की जगह नागरिक समाज का इस्तेमाल कर उन जड़ों पर ही आघात करने की कोशिश करेंगे, जिनसे राष्ट्र को स्थायित्व और समृद्धि मिलती है। नागरिक अधिकारों, स्वास्थ्य या पर्यावरण जैसे मुद्दे तो सिर्फ बहाने हैं और उनके पीछे छिपा एजेंडा कुछ और ही है।

1960 के बाद का दशक पूरे विश्व में लोकतंत्र की स्थापना का समय कहा जा सकता है। यह वह समय था, जब एशिया और अफ्रीका के गुलाम राष्ट्र औपनिवेशिक गुलामी से धड़ाधड़ आजाद होते जा रहे थे और कुछ एक अपवादों को छोड़ दें, तो सभी आजाद मुल्क लोकतंत्र से अपने-अपने तरीके का साक्षात्कार कर रहे थे। कई जगहों पर कायम नए लोकतंत्र देर तक न टिक सके और जल्द ही फौजी तानाशाहियों ने उनकी जगह ले ली। यह शीतयुद्ध का भी समय था और अमेरिका तथा सोवियत रूस, दोनों के प्रभाव क्षेत्र से बाहर गुटनिरपेक्ष देशों का एक समूह भी था, जो काफी हद तक तक मध्य से बाएं खड़ा दिखता था। इन नव-स्वतंत्र राष्ट्रों में प्रतिरोध की एक नई संस्कृति विकसित हुई, जो कई मायने में विदेशी शासकों के खिलाफ चली आजादी की लड़ाई से भिन्न थी। कोई प्रत्यक्ष विदेशी शत्रु न होने के कारण अमूमन शांतिपूर्ण ढंग से अपनी ही जनता के नागरिक अधिकारों की बहाली के लिए देशी शासकों के खिलाफ आंदोलित होने वाली इस संस्कृति ने हर जगह एक विशाल और विशिष्ट नागरिक समाज विकसित किया। भारत भी इस प्रक्रिया से अछूता नहीं रहा। यह नागरिक समाज एक तरफ बहुसंख्यकवाद से संचालित राज्य की ज्यादतियों पर भिन्न अर्थों में अल्पसंख्यकों के जख्मों पर मरहम लगाता चलता है, दूसरी तरफ, इससे भी अधिक उसकी भूमिका प्रेशर कुकर से बीच-बीच में भाप निकालने की भी होती है। इस दूसरी भूमिका के चलते ही प्रौढ़ लोकतंत्र उन पर नियंत्रण न लगाकर उनके लिए काफी कुछ जगह छोड़ते चलते हैं। कई बार सत्ता प्रतिष्ठानों को गलतफहमी हो जाती है कि न सुनना उनकी शान के खिलाफ है और यहीं से संघर्ष शुरू होता है, जिससे बचना दोनों के हित में है।

ज्यादातर नव-स्वतंत्र देशों में एक राष्ट्र बनने की प्रक्रिया भी चली और इसके लिए इन राष्ट्र राज्यों ने अपने-अपने नैरेटिव गढ़े। भारत में भी एक मुख्यधारा की कल्पना की गई और इस अवधारणा को गढ़ने वाले भूल गए कि वैविध्य से भरे इस विशाल भूभाग की खूबसूरती तो उसकी विविधता का सम्मान करते हुए उसे बचाने में ही निहित है। यहां भाषा, खानपान, वेशभूषा सभी में भिन्नताएं थीं, गरज यह कि सबसे बड़े धार्मिक समुदाय हिंदुओं के विवाह जैसे रीति-रिवाज भी भिन्न थे और मुख्यधारा वाले इन भिन्नताओं को नष्ट कर एक ऐसी स्थिति की कल्पना कर रहे थे, जिनमें भारत राष्ट्र में सब एक ही भाषा बोलते, एक जैसे परिधान में दिखते या सबकी थालियों से वह सब गायब हो जाता, जिसको ह्यमुख्यधाराह्ण अखाद्य समझती है। इस जिद ने कई बार राष्ट्र बनने की प्रक्रिया को बाधित किया और यह नागरिक समाज ही था, जिसने मुख्यधारा की प्रक्रिया को चुनौती दी और देश को टूटने से बचाया। आज विविधताओं के लिए पहले से अधिक सम्मान या स्वीकृति दिखती है, तो इसका श्रेय मुख्य रूप से नागरिक समाज के प्रयासों को ही मिलना चाहिए।

नागरिक समाज तपते सूरज के नीचे किसी नखलिस्तान की तरह होता है, जिस पर चलते हुए आपको कुछ देर शीतलता की अनुभूति हो सकती है। कैसा भी राज्य हो, उसे वक्तन-बेवक्तन ऐसे कदम उठाने ही पड़ते हैं, जिनके चलते नागरिकों को अपना दम घुटता सा लगता है और ऐसे समय समाज का यह हिस्सा, जो पारंपरिक सोच से थोड़ा हटकर खड़ा होता है, उसके लिए किसी प्राणवायु सरीखा काम करता दिखता है। ऐसे में, ताजी हवा के इस झोंके को भी बंद करने के इस प्रयास का हमें समर्थन नहीं करना चाहिए।

पुलिस अकादमी से निकलने वाले प्रशिक्षुओं का मन कच्चे घडे.की तरह होता है। उस पर कुछ भी उकेरा जा सकता है। खास तौर से अगर सलाह अजीत डोभाल जैसी उनकी अपनी सेवा के ह्यसफलतमह्ण अधिकारी के मुख से निकल रही हो, तो उनमें से अधिकांश के लिए यह किसी वेदवाक्य से कम नहीं होगा। सौ के लगभग ये अधिकारी अगले पांच-छह वर्षों के भीतर देश के अलग-अलग हिस्सों में पुलिस का मध्य नेतृत्व संभाल रहे होंगे और अगर तब उन्हें यह वक्तव्य याद आया कि राज्य के प्रभावी नैरेटिव के विपक्ष में खड़े दिखते नागरिक समाज के लोग देश की सुरक्षा के लिए खतरा होते हैं, तो हम कल्पना कर सकते हैं कि उनका आचरण कैसा होगा। उन्हें यह समझाना मुश्किल होगा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए बड़े बांधों या आणविक संयंत्रों का विरोध करने वाले देश के शत्रु नहीं हैं, उन्हें यह विश्वास दिलाने में भी आपको काफी प्रयास करना पड़ेगा कि घरेलू हिंसा के खिलाफ बातें करने वाले लोग भारतीय संस्कृति को नष्ट करने के किसी वृहत्तर अंतरराष्ट्रीय एजेंडे के अंग नही हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा ट्रैफिक विभाग द्वारा शुरू की गई कड़ी कार्रवाई

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर की जनता को यह चेताया जाता है कि अब से रोज मुंब्रा ट्रैफिक विभाग द्वारा बिना हेलमेट बिना लाइसेंस के रिक्शा वाले ट्रिपल सीट दो पहिया वाहन को लेकर चलने वाले व्यक्ति पर ट्रैफिक विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप पाटिल के मार्गदर्शन में कड़ी कार्रवाई की जाएगी इस संदर्भ में मुंब्रा ट्रैफिक विभाग की कॉन्स्टेबल द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मुंब्रा शहर में लोग ट्रैफिक कानून का उल्लंघन करते जा रहे हैं बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चलाने वाले व्यक्ति को अगर हम रोकते हैं तो हमसे कहा जाता है कि हमको मुंब्रा शहर में है बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने की अनुमति है हमको बिना हेलमेट के माफी है रिक्शेवाले बिना वर्दी के रिक्शा चला रहे हैं बिना लाइसेंस के बिना परमिट के इस तरह की कई शिकायतें हमारी विभाग में रोज आ रही हैं यह सब शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अब मुंब्रा शहर में ट्रैफिक विभाग द्वारा यह ठान लिया गया है रोज कड़ी कार्रवाई बिना हेलमेट बिना लाइसेंस रिक्शा वालों की ओवरसीट बाइक राइडर ट्रिपल सीट पर चलने वाले व्यक्तियों पर कानूनी शिकंजा कसा जाएगा तू शहर की जनता से निवेदन है कि कृपया घर से निकलते वक्त दो पहिया वाहन से चलाने व्यक्ति से निवेदन है कृपया आप हेलमेट और तमाम कानूनी कागजात लाइसेंस गाड़ी के पेपर लेकर ही अपने घर से बाहर निकले और कानून के जुमार्ने से बचें या आप से निवेदन है

मुंब्रा में शांति पूर्वक तरीके से संपन्न हुआ जुलूस ए गौसिया

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 17 नवंबर बुधवार को पूरी विश्व में जुलूस ए गौसिया निकाला जाता है। यह त्यौहार संपूर्ण मुस्लिम समुदाय के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। दरअसल यह त्यौहार पीरों के पीर रोशन जमीर आल्हा दस्तगीर शेख अब्दुल कादिर जिलानी रजि अल्लाह ताला अनहो की मोहब्बत में मनाया जाता है। आपने संपूर्ण जगत की लिए अच्छी-अच्छी बातें बताई हैं। भाई चारा इंसानियत की मिसाल कायम की है। हर इंसान को एक दूसरे के दुख दर्द में काम आने की सलाह दी है। इसलिए मुस्लिम समुदाय यह त्यौहार को बड़ी ही अदब हेतराम के साथ मनाते हैं आपको पीरों का पीर भी कहा जाता है मुंब्रा शहर में भी जुलूस ए गौसिया बड़े ही शानो शौकत से राज्य सरकार द्वारा जारी की गई गाइड लाइनों के अनुसार निकाला गया यह जुलूस हजरत हुसैन अशरफ मियां के मार्गदर्शन में अशरफ नगर मुंबई कॉलोनी गरीब नवाज मस्जिद मैं कुरान खानी फातिहा खानी दुआ के बाद 4:00 बजे निकाला गया और यह जुलूस शहर में गशत करता हुआ नात शरीफ पढ़ते हुए हुजूर करीम सल्लल्लाहो ताला अलेही वसल्लम की शान में कसीदे पढ़ते हुए कौसा शिमला पार्क तलाब के पास गौसिया मस्जिद पहुंचेगा और वहां दुआओं के लिए कुछ देर रोका जाएगा और दुआ की जाएगी की पूरे विश्व में अमन शांति और कोरोना जैसी महामारी से निजात मिले और भाईचारा कायम रहे और उसके बाद यह जुलूस गश्त करता हुआ अमृत नगर परिसर में मुंब्रा के शहंशाह हजरत ख्वाजा सैयद फखरुद्दीन शाह बाबा रहमतुल्लाहआले की मजार शरीफ पर अदब हेतराम के साथ फूलों की चादर पेश की जाएगी। उसके बाद साहिबे मजार को इत्र पेश किया जाएगा और फिर फातिहा खानी के बाद संपूर्ण विश्व में अमन और शांति और करीना मुक्त के लिए दुआ की जाएगी उसके बाद यह प्रोग्राम को संपन्न किया जाएगा। इस जुलूस से गौसिया के लिए मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादा हरि के चोरे के मार्गदर्शन में पुलिस का बंदोबस्त रहा।

वानखेड़े पर फिर हमलावर हुए नवाब

मुंबई। आर्यन खान ड्रग्स मामले में एनसीपी नेता और मंत्री नवाब मलिक एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े पर लगातार हमले करते रहे हैं। उनका आरोप है कि समीर वानखेड़े ने मुंबई क्रूज ड्रग्स मामले में आर्यन खान को फर्जी छापेमारी कर के फंसाया है। उनका इरादा आर्यन खान को फंसा कर शाहरुख खान से वसूली करने का था। नवाब मलिक ने मंगलवार को फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर समीर वानखेड़े की भूमिका पर सवाल उठाए। नवाब मलिक ने कहा कि मैंने एक वाट्सऐप शेयर किया है और इस मामले में कुछ सवाल खड़े किए हैं। आर्यन के साथ छापेमारी के दौरान सेल्फी लेने वाले किरण गोसावी और एक दिल्ली के शख्स के बीच हुए वाट्सऐप चैट का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया है। इससे एक बार फिर समीर वानखेड़े और काशिफ खान के संबंधों पर सवाल खड़े होते हैं। मुंबई से लेकर दुबई तक, दुबई से लेकर गोवा तक इसका ड्रग्स का धंधा फल-फूल रहा है। इससे पूछतात क्यों नहीं की जा रही? नवाब मलिक ने आगे कहा कि क्रूज रेड के दौरान लोगों को टारगेट कर पकड़ा गया। आर्यन को फंसाया गया। के.पी गोसावी और मनीष भानुशाली मुख्य भूमिका में हैं। समीर वानखेडे ने जिन्हें बचाना था उन्हें बचा लिया, जिन्हें बचाया गया उनमें काशिफ खान भी था। इस पूरे मामले में एक वाइट दुबई नाम का भी करेक्टर है। गोसावी के चैट में उसका उल्लेख है। देश में यह ड्रग्स का बड़ा धंधा चलाता है। वानखेड़े ने उसे भी जाने दिया। उन्होंने आगे कहा कि मुंबई क्रूज ड्रग्स केस का इनफॉर्मर दिल्ली का है।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

राष्ट्रपति भवन पर आतंकी हमला समझकर.....

कार सवार युवक-युवती को सुरक्षाकर्मियों ने घेरे में लेकर पुलिस के हवाले किया। जांच में पता चला कि कार चला रहा युवक नशे में धुत था। कार में मौजूद युवती उसकी गर्लफ्रेंड थी। मामले में कई घंटे तक खुफिया एजेंसियों ने पूछताछ की। जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रपति भवन में ट्रेसपास करने का मुकदमा दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अफसर के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में 25 वर्षीय युवक साउथ दिल्ली के संगम विहार में परिवार के साथ रहता है। वह एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करता है। जबकि उसकी गर्लफ्रेंड परिवार के साथ ऋषिकेश की रहने वाली है। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया। इस मामले में सबसे पहले राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर-35 से सुरक्षाकर्मियों की तरफ से वायरलेस सेट पर मेसेज दिया गया कि 2639 नंबर की एक कार काफी तेजी से सिक्योरिटी बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए अंदर घुसी है। इस बीच एएसआई तीरथ सिंह, कॉन्स्टेबल सुधीर ने गेट नंबर-17 के पास कार के आगे आकर उसे जबरन रुकवा लिया। कुछ ही समय में सायरन बजाती दिल्ली पुलिस की गाड़ियां भी वहां पहुंच गईं। कार चला रहा युवक नशे की हालत में था, जिसे आरएमएल में मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया। जहां शरीर में अल्कोहल होने की पुष्टि हुई। फिलहाल पुलिस के आला अफसरों ने घटना को गंभीरता से लेते हुए फिर से सिक्योरिटी रिव्यू किया है। मामले में सुरक्षा बलों और दिल्ली पुलिस के जवानों की मुस्तैदी को लेकर पुलिस अफसरों ने शाबाशी है।

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह.....

रियल एस्टेट डेवलपर और होटल व्यवसायी बिमल अग्रवाल ने आरोप लगाया था कि आरोपियों ने दो बार और रेस्तरां पर छापेमारी नहीं करने के लिए उनसे नौ लाख रुपये की वसूली की। उन्होंने दावा किया था कि ये घटनाएं जनवरी 2020 और मार्च 2021 के बीच हुई थीं। अग्रवाल की शिकायत के बाद छह आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 384 और 385 (दोनों जबरन वसूली से संबंधित) और 34 (समान मंशा) के तहत मामला दर्ज किया गया था। मार्च 2021 में मुंबई सीपी पद से हुई हटाया गया था परमबीर सिंह के खिलाफ ठाणे में भी वसूली का मामला दर्ज है। मामले में वझे की गिरफ्तारी के बाद सिंह को मार्च 2021 में मुंबई पुलिस आयुक्त पद से हटा दिया गया था।

सोनिया दरबार में पहुंचा.....

जीशान सद्दिकी ने आरोप लगाया है कि इसी दौरान भाई जगताप ने उनके साथ बदतमीजी और धक्का-मुक्की की। जीशान सिद्दिकी ने अपने पत्र में इस बात का भी जिक्र किया है कि भाई जगताप अक्सर इसी लहजे में बात करते हैं। जीशान सिद्दिकी ने कहा है कि मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप ने मेरे कौम और मेरे बारे में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। जीशान सिद्दीकी ने सोनिया गांधी से भाई जगताप के खिलाफ सक्त कार्रवाई करने की मांग की है। आसमान छूती हुई महंगाई, डीजल-पेट्रोल और रसोई गैस की दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ती हुई कीमतें और बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने आक्रोश मोर्चा निकाला। मोर्चा में मुंबई और महाराष्ट्र कांग्रेस के तमाम वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ केंद्रीय नेता के.सी.वेणुगोपाल और महाराष्ट्र प्रभारी एच.के.पाटील ने भी हिस्सा लिया। राजगृह के बाहर मोदी सरकार के खिलाफ जुटे कांग्रेसी आपस में ही जा भिड़े। प्राप्त जानकारियों के मुताबिक, मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष भाई जगताप, मुंबई यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष और विधायक जीशान सिद्दीकी, युवा नेता सूरज सिंह ठाकुर के बीच राजगृह के भीतर जाने को लेकर विवाद हुआ। जीशान सिद्दीकी को अंदर जाने नहीं दिया गया। कहा गया कि सिर्फ दस लोगों को अंदर जाने की इजाजत है। फिर विवाद की एक दूसरी वजह सामने आई। जिस ट्रक पर वरिष्ठ नेता मौजूद थे, उस पर चढ़ने से भी रोका गया। इससे नाराज होकर जीशान सिद्दीकी पदयात्रा बीच में ही छोड़ कर चले गए। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उन्हें बाबासाहेब को श्रद्धांजलि देने से रोका गया।

भारत स्वयं के स्वदेशी साइज चार्ट के साथ फिर से शुरुआत कर रहा है 'इंडिया साइज'

भारत के लोग जब किसी बड़े ब्रांड के कपड़े खरीदते हैं तो वे यूके साइज के कपड़ों का अनुसरण करते हैं। भारतीय लोगों का आकार यूएसए के लोगों के आकार से भिन्न होता है। ब्रांडेड कपड़ों का साइज यूके के लोगों के साइज को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। हर ब्रांड के कपड़ों का साइज एक समान नहीं होता, समान माप के कपड़े का साइज अलग अलग हो सकता है। इसका मुख्य कारण यूके और यूएसए फ्रेम में कपड़ों का बनना है। आमतौर पर भारतीयों का शारिरिक आकर भिन्न होता है उन्हें ब्रांडेड कपड़े खरीदते समय, अपने साइज के कपड़े खरीदते समय कपड़े की माप के साथ समझौता करना पड़ता है ये कभी माप में छोटे या बड़े हो जाते हैं। साइज और माप के साथ साथ कपड़ों के डिजाइन आदि को लेकर कई समस्या होती है। जैसे भारतीय पुरुषों के गर्दन का आकार पश्चिमी देशों के पुरुषों की तुलना में थोड़ा मोटा होता है। महिलाओं की भी शारीरिक बनावट और ऊँचाई भी पश्चिमी महिलाओं की तुलना में काफी अलग होती है। भारतीय महिलाओं और पुरुषों को कपड़ों के मामले में अब इन सब विषम समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि भारत में अब भारतीयों के शारिरिक आकार के अनुरूप अच्छी गुणवत्ता वाले कपड़े आसानी से प्राप्त हो पाएंगे। भारत में भारतीयों के साइज चार्ट की शुरूआत हो रही है 'इंडिया साइज' के साथ। यह भारतीय कपड़ा उद्योग में एक भारी बदलाव लाएगा। कपड़ों की साइज से जुड़ी समस्याओं का जमीनी स्तर पर समाधान किया जा रहा है। भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के तत्वावधान में बनी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) ने भारतीयों के सही शारिरिक माप का अवलोकन करने के लिए एक मानवमितीय डेटाबेस बनाने हेतु एक बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय आकार सर्वेक्षण शुरू किया है, जो संपूर्ण भारतीय आबादी का एक सच्चा प्रतिनिधित्व करेगा। जिससे भारतीय माप की सही माप प्राप्त होगी। नई दिल्ली में यह माप लेने की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अब मुम्बई के दो मॉल ओरियन और इनऑर्बिट में यह माप की प्रक्रिया का काम पूरा हो रहा है। वर्तमान समय में मुंबई के आर सिटी मॉल, घाटकोपर पर इस माप प्रक्रिया का काम तेजी से किया जा रहा है। आने वाले साल तक 'इंडिया साइज' लोगों के बीच होगी। डिजाइन स्मिथ प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से जुलाई 2021 से यह सर्वेक्षण किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा अनुमोदित और सीएमएआई के सहयोग द्वारा इस परियोजना में भारत के छह क्षेत्रों में स्थित छह अलग-अलग शहरों में 15-65 वर्ष के आयु वर्ग के पच्चीस हजार से अधिक लोगों को मापन परीक्षण में शामिल किया गया है। दिल्ली (उत्तर), मुंबई (पश्चिम), चेन्नई (दक्षिण), हैदराबाद (केंद्र), कोलकाता (पूर्व) और शिलांग (उत्तर-पूर्व) में नान कॉन्टेक्ट ह्यूमन सेफ 3 डी बॉडी स्कैनिंग तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

मुम्बई जया फाउन्डेशन सामाजिक संस्था की अध्यक्षा श्रीमती जया छेडा के मार्ग दर्शन मे सचिव सुमन त्रिपाठी के द्वारा १५ नम्बर बालदिवस के उपलक्ष्य में भारती विद्या मंदिर नाईट हाईस्कूल वरली मे बच्चो के साथ मिलकर केक और नाश्ता देकर खुशियाँ बांटी गयी, कार्यक्रम का संचालन शिक्षक बालगोविंद तिवारी, अध्यक्षता संस्था की सचिव श्रीमती सुमन त्रिपाठी ने की।इस अवसर पर संस्था के सदस्य विमला पवार, तानाजी बड़ेकर, नागेश तांबेडकर, समाजसेवक शिक्षक महेन्द्र गुप्ता, समाजसेवक जितेन्द्र झा, लालबहादुर गुप्ता, विक्रांत तावड़े, सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और शिक्षकवृंद मौजूद रहे। संस्था का आभार प्रधानाध्यापक श्री कांबळे सर ने व्यक्त किया।

ईरा ने बिरसा मुंडा जयंती पर दी श्रद्धांजलि असम के शहीद जवानों को किया नमन

देश के जवानों की शहादत सदा याद रहेगी- रविकांत

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन सिरका। अरगड्डा बैंगामोड़ पर सोमवार देर संध्या इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन (ईरा) के बैनर तले तमाम चपरी, कंजगी, टोंगी, हेसला, अरगड्डा- सिरका के समाजसेवियों ने भगवान बिरसा मुंडा के 146वें जयंती पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही इनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इसके बाद ईरा सदस्यों, सभी समाजसेवियों ने मोमबत्ती जला 2 मिनट का मौन धारण कर असम के उग्रवादी हमले में शहीद हुए कर्नल विप्लव त्रिपाठी उनके परिवार और आधा दर्जन जवानों की आत्माशांति के लिए प्रार्थना व नमन किया। अवसर पर इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन(ईरा) के राज्य संगठन सचिव रविकांत बनर्जी,आरके शर्मा, मोहम्मद शाहिद ने एक स्वर में देश के जवानों पर इस प्रकार के कायराना हमले की निंदा किया। साथ ही जवानों के बलिदान को अतुलनीय बताया। इनकी शहादत हमेशा याद रहेगी। इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन लगातार अवसरों पर ग्रामीण समाजसेवियों के साथ मिलकर सामाजिक कार्यों में भी अपनी सहभागिता निभाती हैं। जिसका उद्देश्य सभी लोगों में जुड़ाव और सौहार्द बन पाए। मौके पर समाजसेवी कुलदीप बेदिया, यासीन अंसारी, कमरुद्दीन खान, शंकर नायक, अमर मुंडा, शत्रुधन बेदिया, असगर अंसारी, गंगा बेदिया, अशोक बेदिया, पिंटू बेदिया, आकाश करमाली, दीपक उरांव, चरका बेदिया समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।

लाला लाजपतराय के बलिदान ने गरम दल को उर्जा की - अनिल आर्य

मुंबई हलचल ब्यूरो /भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ईश्वर का ज्ञान जीवों का कल्याण विषय पर गोष्ठी व पंजाब केसरी लाला लाजपतराय के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कोरोना काल में 314 वां वेबिनार था। आचार्य हरिओम शास्त्री ने कहा कि सृष्टि की रचना परमात्मा ने मानव मात्र के लिए की है और उसके लाभ भी सभी के लिए समान रूप से है। वेद ईश्वरीय ज्ञान है सभी उसे पढ़ व समझ सकते है। परमात्मा ने जीव जंतुओं को भी बनाया है उन्हें मारना परमात्मा की व्यवस्था का उलंघन है हमें शाकाहार पर बल देना चाहिए और मांसाहार का सेवन नहीं करना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ बताते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी लाला लाजपतराय जी का बलिदान दिवस युवाओं के लिए प्रकाशपुंज है। जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद लाला लाजपतराय जी ने लाहौर में साईमन कमीशन गो बैक के आंदोलन का नेतृत्व किया और अंग्रेजी हकूमत की पुलिस की लाठियों से शहीद हो गए।भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव ने उनकी मौत का बदला लिया।लाला जी ने कहा था कि मेरे शरीर पर पड़ी एक एक लाठी ब्रिटिश सरकार के लिए कफन का काम करेगी और वो सही सिद्ध हुआ, पूरा पंजाब क्रांति की आग में सुलग पड़ा और अंग्रेजों को भारत छोड़ कर जाना पड़ा। पंजाब नेशनल बैंक और डी ए वी मैनेजिंग कमेटी की स्थापना में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्य अतिथि वीरेन्द्र आहूजा ने निर्धन वर्ग के बच्चों को शिक्षा व रोजगार देने का संकल्प लिया। अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप नागपाल (आंतरिक लोकपाल, पी एन बी) ने लाला लाजपतराय जी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का आह्वान किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि व्यक्ति जन्म से सब बराबर होते हैं कर्म से ही व्यक्ति का वर्ण निश्चित होता है। गायिका प्रवीना ठक्कर, दीप्ति सपरा, रजनी चुघ, आशा आर्या, कमलेश चांदना, सुशांता अरोड़ा, सुदेश डोगरा, कविता आर्या, कमला हंस, कुसुम भंडारी आदि के मधुर भजन हुए।

तेरी आशिकी में' म्यूजिक वीडियो में शांतनु भामरे और एलेना टुटेजा की रोमांटिक जोड़ी

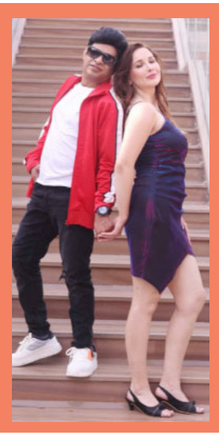

राहुरी तालुका प्रतिनिधी जावेद शेख

शान से एंटरटेनमेंट के बैनर तले बेहद ही खूबसूरत, प्यार भरा और मन को भाने वाला 'तेरी आशिकी में' हिंदी म्यूजिक वीडियो का निर्माण हुआ है। इस गीत के वीडियो की शूटिंग मुम्बई के मड में स्थित एंडी रिसोर्ट में हुई है। वीडियो का निर्देशन 'बेईमान लव' और 'रेड' फेम वाले राजीव चौधरी ने किया है। रेमो डिसूजा के साथ काम कर चुके जीत सिंह ने गाने की कोरियोग्राफी की है वहीं अनुभवी डीओपी अकरम खान हैं। यह गीत इतना अच्छा है कि एक बार सुनने पर भावविभोर कर देगा और सालों तक गुनगुनाया जाएगा। शांतनु भामरे 'तेरी आशिकी में' अलबम के प्रोड्यूसर हैं। इन्हें कला और वाणिज्य की अच्छी समझ है, इन्होंने राजीव चौधरी और अशोक त्यागी की फिल्म 'रेड' में अभिनेता कमलेश सावंत के साथ महत्वपूर्ण किरदार निभाया था। इस म्यूजिक सिंगल में शांतनु लीड रोल में हैं। 'तेरी आशिकी में' सॉन्ग का वीडियो भी बेहद रोमांटिक और सेंसेशनल है। इसमें अभिनेता शांतनु भामरे अलग अंदाज में रोमांटिक और भावविभोर कर देने वाले सीन देखने को मिलेंगे। शांतनु जी को अलग अलग भूमिका करना पसंद है जिसके लिए वह हमेशा तैयार रेहते हैं, चाहे वह गंभीर हों, रोमांटिक हों या कॉमेडी हों। वह अभिनय के क्षेत्र में कुछ नया नया करना चाहते है। शांतनु एक प्रशिक्षित और प्रतिभाशाली अभिनेता हैं। इस वीडियो के अलावा इसे ऑडियो के रूप में भी अलग अलग प्लेटफॉर्म में रिलीज किया जाएगा। इस ऑडियो गीत को यूट्यूब म्यूजिक, गाना, जीओ सावन, स्पॉटीफाई, हंगामा म्यूजिक, जिओ सावन, आई ट्यून स्टोर, साउंड क्लाउड, विंक आदि पर सुन सकते हैं। ऑडियो ड्युट और सोलो में भी रिलीज किया जायेगा। 'तेरी आशिकी में' ये गाना फेमस बॉलीवुड सिंगर अमन त्रिखा की सुमधुर आवाजें हैं। यह बेहद रोमांटिक और मधुर गीत है, जो लोगों की जुबान पर जल्द छा जाएगा और लोग इसे सालो साल सुनेंगे।

क्रांतिकारियों के बलिदान को नई पीढ़ी को याद रखना आवश्यक - अनिल आर्य

मुंबई हलचल ब्यूरो /भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी करतारसिंह सराबा के 106 वें बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि केवल 19 वर्ष की आयु में 16 नवम्बर 1915 को लाहौर की केन्द्रीय जेल में छह साथियों के साथ फांसी दी गई थी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने बताया कि देश भक्त क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को उनके जज्बे व बलिदान से परिचित करवाने की आवश्यकता है जिससे वह आजादी के मतल्व को समझ सकें। यह आजादी कोई भीख या दया से नहीं मिली अपितु नोजवान क्रांतिकारियों के बलिदान से मिली है। आज नई पीढ़ी को गुलामी क्या होती है यह नहीं मालूम, शहीद भगत सिंह ने भी सराबा को अपना बड़ा भाई व प्रेरणा स्त्रोत्र कहा था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के यह सबसे कम आयु के क्रांतिकारी थे।लाला हरदयाल जी की गदर पार्टी ने अनेको नोजवानो को प्रेरणा दी। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि कंगना रनौत का वक्तव्य दुर्भाग्यपूर्ण है यह आजादी चरखे तकली से नहीं मिली थी बल्कि हजारों नोजवानों ने बलिदान दिया और आर्य समाज के सबसे अधिक व्यक्ति जेलों में गए थे। आज सारा इतिहास फिर से पढ़ने की आवश्यकता है। गायिका प्रवीना ठक्कर, प्रवीन आर्या, रविन्द्र गुप्ता, रजनी गर्ग, दीप्ति सपरा, रजनी चुघ, दीप्ति सपरा आदि ने देशभक्ति गीत सुनाए।

चिखली में हथियारबंद लुटेरों ने दुकानदार की हत्या कर नकदी रकम लेकर फरार

घटना के विरोध में आज सुबह से शहर बंद : चोरी व हत्या सीसीटीवी में कैद

जिले के चिखली कस्बे में मंगलवार 16 नवंबर की रात करीब 10 बजे हथियार बंद लुट की घटना हुई। तीन अज्ञात लुटेरों ने एक इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर में घुसकर तलवार की वार से व्यापारी का गला रेत कर। लुटेरों ने दुकान से कैश निकाल कर फरार हो गए। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। डकैती की घटना से चिखली में दहशत का माहौल है। आनंद इलेक्ट्रॉनिक्स चिखली बस स्टैंड के सामने मुख्य सड़क पर एक बड़ी दुकान है। दुकानदार कमलेश पोपट (55) दिन भर कारोबार कर रहा था। उसी समय तीन नकाबपोश लोग दुकान के पास पहुंचे और रुक गए। उनमें से दो ग्राहक बनकर दुकान में घुसे। दुकान का एक शटर अंदर से बंद कर धमकाया। इस बार जब दुकानदार पोपट ने विरोध किया तो उनमें से एक ने तलवार खींचकर उस पर हमला कर दिया. इस वारदात में पोपट की मृत्यु हो गई है। लुटेरों ने दुकान से नकदी रकम लूट कर फरार हो गए। घटना का यह क्रम सीसीटीवी में साफ नजर आ रहा है। इस बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है। इस घटना के बाद चिखली में दहशत का माहौल है। रात में स्थानीय पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। लुटेरों की तलाश के लिए जांच टीम काम कर रही है। आनंद इलेक्ट्रॉनिक्स को लूटने आए अज्ञात लुटेरों ने दुकानदार कमलेश पोपट को 16 नवंबर रात करीब 10 बजे चिखली में बेरहमी से हत्या कर दी गई. घटना के विरोध में चिखली कस्बे के सभी व्यापार संघों ने 17 नवंबर को चिखली बंद का आह्वान किया है। इसलिए सुबह से ही चिखली शहर बाजार सुनसान नजर आया है। पिछले कुछ दिनों में चिखली शहर और तालुका में चोरी की दुकानों में सेंधमारी की घटनाएं बढ़ गई हैं।

अलर्ट इंजीनियरिंग मैं कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा लगाया भव्य स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। राजधानी भोपाल में कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा अलर्ट इंजीनियरिंग एंटरप्राइज गोविंदपुरा भोपाल में समस्त स्टाफ कर्मचारियों एवं उनके परिवार का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन अलर्ट इंजीनियरिंग के डायरेक्टर माननीय श्री मोहन नैनवानी श्री नंदकुमार नैनवानी श्री मनीष नैनवानी श्री उमेश यादव श्री श्याम नारायण जोशवार श्रीकांत तिवारी राजमणि सिंह श्री संतोष कुशवाहा संस्था अध्यक्ष शेख फैयाज द्वारा किया गया जिसमें सभी प्रकार की बीमारियों का चेकअप एवं उपचार किया गया प्रकाश आई हॉस्पिटल के डॉक्टरों के द्वारा आई चेक अप किया गया डॉक्टर मनोज नाहर डॉक्टर डॉ प्रशांत सिंह डॉक्टर निकिता उपाध्याय रुपेश सूर्यवंशी नेत्र से संबंधित उपचार किया गया कार्यालय जिला मलेरिया अधिकारी जिला भोपाल के द्वारा डेंगू मलेरिया की जांच भैया मियां एवं उनकी टीम के द्वारा की गई श्री शुभ हॉस्पिटल के डॉक्टरों द्वारा जनरल चेकअप एवं दवाई वितरण की गई डॉक्टर खुश राज छोटे डॉ हेमंत कोसे नितेश नर्सिंग स्टाफ नितेश रघुवंशी कुमकुम शुक्ला के द्वारा बीपी शुगर मधुमेह एवं सभी बीमारियों का उपचार किया गया डेनेशिया हॉस्पिटल के डॉक्टरों द्वारा दांत से संबंधित सभी प्रकार का उपचार किया गया डॉक्टर अंकिता हरली डॉक्टर पल्लवी बड़कुर मोहन पटेल के द्वारा दांत से संबंधित उपचार किया गया कैंप में सभी डॉक्टरों का कंपनी के स्टॉप एवं संस्था का आभार व्यक्त किया अलर्ट इंजीनियरिंग के डायरेक्टर माननीय श्री मोहन नैनवानी श्री नंदकुमार नेनवानी श्री मनीष नैनवानी के द्वारा सभी डॉक्टरों को सर्टिफिकेट एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज को शील्ड एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया सभी लोगों ने संस्था का एवं डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया संस्था निरंतर स्वास्थ्य पर कार्य करती आ रही है स्वस्थ भारत के निर्माण में सहयोग करें अपना चेकअप समय-समय पर जरूर कराएं।

विरेंद्र सिंह बदनौर रावणा राजपूत सेवा संस्थान के जिला उपाध्यक्ष मनोनीत

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़ भीलवाड़ा (राजस्थान)। सर्व रावणा राजपूत सेवा संस्थान, भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष भँवर सिंह भाटी ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए वीरेंद्र सिंह चौहान बदनोर को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया हैं साथ ही चौहान को आसींद तहसील एवं बदनोर तहसील के प्रभारी की भी जिम्मेदारी प्रदान की है। चौहान को जल्दी ही अपने क्षेत्र में समाज की गतिविधियां संचालित करने एवम भीलवाड़ा में छात्रावास के निर्माण हेतु सहयोग के लिए समाज बंधुओं को जागरूक करने की जिम्मेदारी प्रदान की है। उक्त जानकारी रावणा राजपूत समाज के युवा नेता एडवोकेट पीरु सिंह गौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बीजेपी ने अखिलेश यादव से चुकाया बदला

एक विधायक के बदले सपा के चार एमएलसी तोड़े

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक दलों के बीच एक-दूसरे के संगठन में सेंध लगाने, विधायकों को तोड़कर पार्टी ज्वाइन कराने का सिलसिला तेज हो गया है। इस बीच भाजपा ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के चार एमएलसी नरेन्द्र भाटी, सीपी चंद्र, रविशंकर सिंह और रमा निरंजन को पार्टी ज्वाइन कराकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से हिसाब बराबर कर लिया है। गौरतलब है कि बीते 30 अक्टूबर को ही अखिलेश यादव ने बीएसपी के छह बागी विधायकों के साथ सीतापुर भाजपा विधायक राकेश राठौर को भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाई थी। आज भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डा. दिनेश शर्मा रहे मौजूदगी में सपा नेताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

यूपी चुनाव के ठीक पहले चार एमएलसी के यूं पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हो जाने को अखिलेश यादव के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। खासकर नरेन्द्र सिंह भाटी के पार्टी छोड़ने को लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की गुर्जर राजनीति में नए समीकरण बनने की उम्मीद जताई जा रही है। नरेन्द्र सिंह, सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के करीबी रहे हैं। दादरी तहसील के बोड़ाकी गांव के रहने वाले किसान प्रेम सिंह के पुत्र नरेंद्र सिंह भाटी ने बैनामा लेखक के रूप में करियर शुरू किया था।

गुर्जर राजनीति गरमाएगी

सम्राट मिहिर भोज प्रतिमा के विवाद के चलते पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इन दिनों गुर्जर राजनीति गरमाई हुई है। जिले को गुर्जर राजनीति का केन्द्र माना जाता है। क्षेत्र के प्रमुख गुर्जर नेता और यहां के पूर्व लोकसभा सांसद और राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र नागर पहले ही सपा छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं जबकि अब नरेंद्र भाटी भी सपा का साथ छोड़ भाजपा में आ रहे हैं। नरेन्द्र भाटी 2009 में सुरेन्द्र नागर के सामने चुनाव लड़ चुके हैं। ऐसे में तय है कि यहां पर गुर्जर राजनीति भी तेज होगी और गुर्जर नेताओं के दो धड़े होंगे।

पूर्व पीएम चंद्रशेखर के पोते हैं रविशंकर

बुधवार को सपा छोड़ भाजपा की सदस्यता लेने वालों में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पोते रविशंकर भी शामिल हैं।

स्वतंत्र देव बोले- अखिलेश को आज नींद नहीं आएगी

चार सपा नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि इससे भाजपा को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि कई दशकों से सपा के वफादारी सिपाही, उसे ताकतवर बनाने वाले लोकप्रिय नेता नरेंद्र भाटी भाजपा में जुड़े हैं। जनता इस बार सपा का सफाया कर देगी। उन्होंने कहा कि रविशंकर के आने से बलिया और आसपास के क्षेत्र में भाजपा मजबूत होगी। इसके साथ ही सीपी चंद ने भाजपा में वापसी की है। रमा निरंजन के आने से बुंदेलखंड में भाजपा मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आज अखिलेश यादव को नींद नहीं आएगी।

गाड़ियों पर कौन लगाएगा रोक?

दिल्ली में वायु प्रदूषण पर सरकारों के रवैये पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त तेवर

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में बीते कुछ दिनों में बढ़े वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार की ओर से उठाए कदमों और सुझाए उपायों से सुप्रीम कोर्ट ने असहमति जताई है। यही नहीं शीर्ष अदालत ने सख्त तेवर दिखाते हुए केंद्र, दिल्ली, हरियाणा सरकारों से कहा कि आप सभी ने माना है कि प्रदूषण की मुख्य वजह वाहन हैं। लेकिन दिल्ली में बड़े पैमाने पर ईंधन की खपत करने वाले वाहन चल रहे हैं। आखिर इन पर रोक लगाने के लिए कौन कदम उठाएगा? कोर्ट ने कहा, 'दिल्ली सरकार का कहना है कि वाहनों पर प्रतिबंध लगाने और वर्क फ्रॉम होम लागू करने का कोई असर नहीं होगा, यदि पड़ोसी राज्यों में कोई कदम नहीं उठाए जाते हैं। हमें उम्मीद है कि आयोग की ओर से इस बारे में कुछ कदम बताए जाएंगे।'

इस बीच मामले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कड़े कदमों को उठाने के लिए कोर्ट को 21 नवंबर तक रुकने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को लेकर हुई मीटिंग में मौसम वैज्ञानिक भी शामिल थे। उनका कहना है कि 21 नवंबर तक दिल्ली में तेज हवाएं चलने लगेंगी। ऐसे में क्या अदालत सख्त कदम उठाने के लिए 21 तारीख तक रुक सकती है। सरकारों के रवैये पर आपत्ति जताते हुए चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना ने कहा, 'कुछ जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए। हर चीज अदालतों के फैसलों से ही नहीं हो सकती है।' इसके साथ ही उन्होंने दिवाली के बाद भी 10 दिन तक दिल्ली में पटाखे फोड़े जाने की वजह पूछी। इस दौरान पंजाब सरकार के अधिवक्ता ने कहा कि उनका राज्य एनसीआर के दायरे में नहीं आता है, लेकिन इसके बाद भी पलूशन से निपटने के लिए कदम उठाए गए हैं। इसके अलावा पराली जलाए जाने को लेकर हरियाणा सरकार ने कहा कि इस पर रोक के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

भारत में लगातार गिर रहा कोरोना ग्राफ

एक्टिव मामले 527 दिनों में सबसे कम

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के 10 हजार 197 नए मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, पिछले एक दिन में कोरोना से 12 हजार 134 मरीज ठीक भी हुए हैं। राहत की बात यह है कि देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों का आंकड़ा हर दिन रिकॉर्ड स्तर पर नीचे आ रहा है और अब यह पिछले 527 दिनों के निचले स्तर पर है। कोरोना की वजह से एक दिन में 301 मरीजों की जान भी गई है।

भारत में अब कोरोना के इलाजरत मरीजों का आंकड़ा सिर्फ 1 लाख 28 हजार 555 रह गया है। वहीं, रिकवरी दर बढ़कर 98.28 फीसदी हो गई है जो कि लगातार मार्च 2020 के बाद से उच्चतम स्तर पर बनी हुई है। एक्टिव केस अब तक आए कुल केसों का सिर्फ 0.37 फीसदी ही रह गया है।

दैनिक संक्रमण दर भी 0.82 फीसदी है और यह पिछले 44 दिनों से 2 फीसदी के नीचे है। वहीं साप्ताहिक संक्रमण दर 54 दिनों से 2 फीसदी के नीचे है।

भारत में कोरोना टीकाकरण अभियान भी तेजी से जारी है और अभी तक टीके की कुल 113.68 करोड़ डोज दी जा चुकी है।

कॉमेडियन वीर दास के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत

देश के अपमान का आरोप

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में कॉमेडियन वीर दास के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। इससे पहले मंगलवार को वीर दास ने कहा था कि उनका इरादा देश का अपमान करने का नहीं था। दास फिलहाल अमेरिका में हैं। दास के खिलाफ उनके वायरल वीडियो के संबंध में दिल्ली के तिलक मार्ग पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।

इससे पहले दास ने कहा, 'आई कम फ्रॉम टू इंडियाज' (मैं दो तरह के भारत से आता हूं) वीडियो में उनका इरादा देश का अपमान करने का नहीं था। दास फिलहाल अमेरिका में हैं और उन्होंने सोमवार को यूट्यूब पर 'आई कम फ्रॉम टू इंडियाज' शीर्षक से एक वीडियो अपलोड किया था। यह वीडियो वॉशिंगटन डीसी के जॉन एफ कैनेडी सेंटर में उनकी हालिया प्रस्तुति का हिस्सा था।

छह मिनट के वीडियो में दास ने देश के कथित दोहरे चरित्र के बारे में बात की और कोविड-19 महामारी, दुष्कर्म की घटनाओं और हास्य कलाकारों के खिलाफ कार्रवाई से लेकर किसान प्रदर्शन जैसे मुद्दों का जिक्र किया। ट्विटर पर इस वीडियो के एक हिस्से की क्लिप साझा की जा रही थी, खास तौर पर उस हिस्से की जिसमें दास ने कहा था, "मैं एक ऐसे भारत से आता हूं, जहां दिन मे स्त्री की पूजा होती है और रात में उनके साथ दुष्कर्म होता है।"

दास (42) ने ट्विटर पर एक नोट साझा कर कहा कि उनका इरादा यह याद दिलाने का था कि देश अपने तमाम मुद्दों के बाद भी 'महान' है।

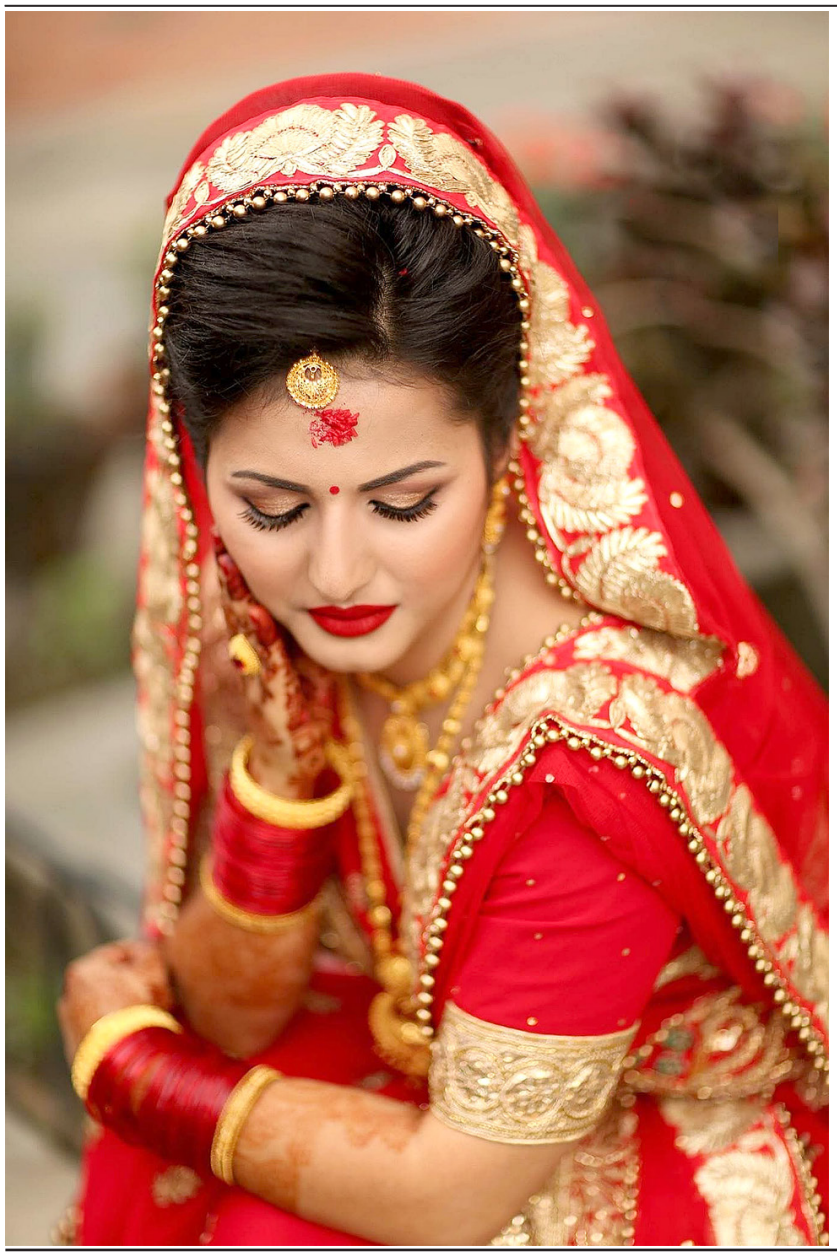

जल्द बनने वाली हैं दुल्हन? तो इन 4 बातों का जरूर रखें ख्याल

शादी की तैयारियों से लेकर फंक्शन्स तक दुल्हा दुल्हन को कई सारी चीजों से गुजरना पड़ता है। दुल्हन हमेशा अपने लुक्स को लेकर हमेशा टेंशन में रहती है कि आखिर उसके खास दिन पर उसका लुक कैसा होगा। लड़कियों को इस बात की चिंता भी मन ही मन सताती रहती है, कि ससुराल में उनका पहला दिन कैसा होगा। ऐसे में आप हम आपको बताने वाले है 4 चीजों के बारे में जिनहें आपको अपने माइंड में हमेशा रखना चाहिए।

1) अकसर लड़कियां शादी से पहले इतनी ज्यादा टेंशन लेती है कि वह अपनी शादी के फंक्शन को एंजॉय ही नहीं करती है। हम समझते हैं कि शादी में टेंशन से दूर भागना मुश्किल होता है, लेकिन बेमतलब का तनाव लेना और चिंतित होना कुछ ऐसी चीज है जिससे आपको बचना चाहिए। तनाव न केवल आपके मानसिक स्वास्थ्य पर बल्कि आपके शारीरिक स्वास्थ्य पर भी भारी पड़ता है। आप थका हुआ महसूस कर सकते हैं, साथ ही आपकी स्किन सुस्त हो सकती है और अपनी बनावट खो सकती है। और आप अपने स्पेशल दिन पर बहुत ज्यादा डल दिख सकते हैं।

2) आपको जो करना है उसे पहले ही कंपलीट करें। एंड के लिए चीजें छोड़ना आपके लिए मुश्किल भरा हो सकता है। अगर आप अपनी चीजों को बाद में करने के लिए छोड़ती रहेंगी तो एंड में ये आपके लिए चिंता का सबब बन जाएंगी। आप शादी से कुछ दिन पहले ही सभी चीजों को निपटाने की कोशिश करें।

3) स्किन का ख्याल रखना आपके लिए किसी काम से कम नहीं है। अपने बिजी शेड्यूल के कारण लड़कियां स्किन पर बिल्कुल ध्यान नहीं देती। साथ ही बार-बार बाजार जाने के कारण आप खुद को हाईड्रेट भी नहीं रखती जिसकी वजह से शादी वाले दिन स्किन बेहद ही बेजान दिखाई देती है।

4) इतनी सारी शॉपिंग में अक्सर हम छोटे सामानों को भूल जाते हैं। ऐसे में आप एक लिस्ट तैयार करें और फिर जो सामान खरीद लें उस पर टिक कर दें। इस तरह से शॉपिंग करना आपके लिए काफी आसान होगा।

शोध में चौंकाने वाला खुलासा

गर्भपात रोकने वाली दवा से संतान में कैंसर का खतरा अधिक

गर्भपात रोकने के लिए इस्तेमाल होने वाली दवाओं के प्रयोग से संतान में कैंसर का खतरा अधिक है। एक अध्ययन में यह निष्कर्ष निकल कर सामने आए हैं। ह्यूस्टन में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास हेल्थ साइंस सेंटर के शोधकर्ताओं की तरफ से किए गए अध्ययन के निष्कर्ष 'अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गॉयनोकोलॉजी' में प्रकाशित हुए हैं।

दवा, 17-ओएचपीसी जिम्मेदार, प्रयोग पर कैंसर का दोगुना तक खतरा

शोधकर्ताओं के मुताबकि दवा 17-ओएचपीसी, एक सिंथेटिक प्रोजेस्टोजन है, जिसका उपयोग अक्सर महिलाओं द्वारा 1950 और 1960 के दशक में किया जाता था और आज भी समय से पहले जन्म को रोकने में मदद करने के लिए यह दवा महिलाओं को दी जाती है। प्रोजेस्टेरोन गर्भावस्था के दौरान गर्भ को बढ़ने में मदद करता है और एक महिला को जल्दी संकुचन होने से रोकता है। अध्ययन की लेखक पीएचडी एमपीएच कैटलिन सी मर्फी के मुताबिक गर्भावस्था के दौरान दवा लेने वाली महिलाओं से पैदा हुए बच्चों में इस दवा को न लेने वाली महिलाओं से पैदा हुए बच्चों की तुलना में उनके जीवनकाल में कैंसर की दर दोगुनी होती है।

1960 के दशक में जन्मे बच्चों पर अध्ययन

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 1960 के दशक में जन्मे बच्चों पर अध्ययन किया है। मर्फी ने कहा, हमने 1960 के दशक में और उसके बाद पैदा हुए लोगों में कोलोरेक्टल कैंसर, अग्नाशय कैंसर, थायरॉयड कैंसर और कई अन्य जैसे कैंसर देखे हैं, लेकिन वास्तव में कोई नहीं जानता कि इसका कारण क्या है। अध्ययन के तहत शोधकताओं ने जून 1959 और जून 1967 के बीच प्रसव पूर्व देखभाल प्राप्त करने वाली महिलाओं पर कैंसर फाउंडेशन स्वास्थ्य योजना और कैलिफोर्निया कैंसर रजिस्ट्री के डेटा की समीक्षा की, जिसने शोधकताओं ने 18,751 से लोगों के आंकड़ों का अध्ययन किया, इसमें से 1,008 लोगों को कैंसर हुआ था और इन लोगों में से 234 लोग गर्भावस्था के दौरान दवा 17-ओएचपीसी के संपर्क में आए थे।

दवा शुरूआती विकास भी प्रभावित करती है

शोधकर्ता कैटलिन सी मर्फी के अनुसार हमारे अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान इस दवा को लेने से शुरूआती विकास बाधित हो सकता है, जिससे दशकों बाद कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि इस दवा के प्रयोग से हम सिंथेटिक हार्मोन के प्रभाव देख रहे हैं। गर्भ में हमारे साथ हुई बदलाव जन्म के कई दशकों बाद कैंसर के विकास के लिए महत्वपूर्ण जोखिम कारक हैं। उन्होंने कहा कि दवा 17-ओएचपीसी लेने का कोई लाभ नहीं है, और यह समय से पहले जन्म के जोखिम को भी कम नहीं करता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने अक्तूबर 2020 में प्रस्ताव दिया था कि इस विशेष दवा को बाजार से वापस ले लिया जाए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जैकलीन का जुगाड़

अक्षय कुमार ने जैकलीन फर्नांडिस का एक जुगाड़ वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह उड़ते हेलिकॉप्टर के अंदर खिड़की से आ रहे हवा से अपने बालों को संवारती दिख रही हैं। जैकलीन का यह वीडियो काफी मजेदार है, जिस पर फैन्स भी काफी फनी कॉमेंट्स करते नजर आ रहे हैं। अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म 'राम सेतु' की को-स्टार जैकलीन का मजेदार वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में चॉपर के अंदर खिड़की से तेज हवा के फ्लो की मदद से जैकलीन अपने बालों के कर्व बनाती दिख रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जैकलीन और अक्षय चॉपर से इस फिल्म की शूटिंग के लिए दमन रवाना हुए है। जैकलीन का यह वीडियो शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने इसे जैकलीन को कर्टसी देते हुए इसे उनका जुगाड़ बताया है। अक्षय ने लिखा है, 'देखिए और सीखिए के आसमान के बीच उड़ते हेलिकॉप्टर में आप अपने बालों को कैसे कर्ल कर सकती हैं।'

आर्यन खान ड्रग्स केस में नाम सामने आने के बाद अनन्या पांडे सोशल मीडिया से गायब हो गई थीं। काफी समय बाद वह सोशल मीडिया पर वापस लौट आई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में अनन्या कार में बैठी हुई हैं और बाहर आसमान में दिख रहे इंद्रधनुष को दिखा रही हैं। अनन्या ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा है, हल्की बारिश के बिना इंद्रधनुष नहीं दिख सकता। अनन्या की इस पोस्ट आर उनकी मां भावना पांडे ने कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोजी बनाकर अपना रिएक्शन दिया। एक फैन ने लिखा, अच्छा और बुरा जिंदगी के दो पहलू हैं। इन्हें स्वीकार करना चाहिए। बुरे से हम सीखते हैं और अगर हम ऐसा करते हैं तो हम खुश रहते हैं। पिछले महीने अनन्या को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने तीन बार पूछताछ के लिए अपने ऑफिस बुलाया था। उनके घर रेड भी मारी थी जिसके बाद उनके इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी जप्त कर लिए थे। यह सब कार्यवाही एनसीबी ने क्रूज ड्रग्स केस में आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद की थी। आर्यन खान और अनन्या पांडे के बीच हुई चैट की कुछ डिटेल सार्वजनिक हुई थी। इसमें आर्यन ने अनन्या से पूछा था कि क्या गांजे का कुछ जुगाड़ हो सकता है। इस पर अनन्या ने जवाब दिया था- मैं अरेंज कर दूंगी। ठउइ ने अनन्या को यह चैट दिखाकर सवाल किया था। इस पर अनन्या ने जवाब दिया कि वे सिर्फ मजाक कर रही थीं। वे सिगरेट को लेकर बात कर रहे थे।

अनन्या की वापसी

डॉनल बिष्ट फिर लेंगी शो में एंट्री

टेलीविजन रियलिटी शो बिग बॉस 15 में हाल ही में कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। बीते हफ्ते माइशा अय्यर और ईशान सहगल कम वोट मिलने से बाहर हुए थे, जिसके बाद राकेश बापट मेडिकल कारण और अफसाना खान नियम उल्लंघन करने से बाहर हो गईं हैं। लगातार लोगों के शो से निकलने के बाद अब मेकर्स कुछ नई वाइल्ड कार्ड एंट्री की तैयारी कर रहे हैं। इस बार इस सीजन की एविक्टेड कंटेस्टेंट डॉनल बिष्ट, वाइल्ड कार्ड बनकर आएंगी, जिसके लिए उनकी मेकर्स से चर्चा जारी है। हाल ही में स्पॉटबॉय ने शो से जुड़े करीबी सूत्र के हवाले से लिखा है, जी हां, डॉनल बिष्ट शो में रि-एंटर कर रही हैं। उनके पास मेकर्स की तरफ से कॉल गया था और वो उन्हें वापस बुलाना चाहते हैं और एक्ट्रेस इसके लिए राजी भी हो गई हैं। डॉनल की फैन फॉलोविंग बेहतरीन है और उन्हें एविक्शन के बाद फैंस का खूब सपोर्ट भी मिला था। एक्ट्रेस के एविक्शन के बाद फैंस बेहद नाराज हो गए थे और उन्हें वापस शो में बुलाए जाने की डिमांड कर रहे थे। शो की टीआरपी के लिए अब मेकर्स ने उन्हें वापस बुलाने का फैसला किया है। फिलहाल एक्ट्रेस और मेकर्स के बीच बातचीत जारी है।